EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Export Promotion Council for Handicrafts
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com I www.epch.in
CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

प्रेस विज्ञप्ति

ईपीसीएच ने उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के साथ एक बैठक में हस्तशिल्प क्षेत्र पर अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव का मुद्दा उठाया

ईपीसीएच ने उत्तर प्रदेश से हस्तशिल्प निर्यात में वृद्धि हेतु एक विज़न दस्तावेज़ प्रस्तुत किया

दिल्ली/एनसीआर – 27 अगस्त 2025 – ईपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। बैठक में ईपीसीएच के मुख्य संयोजक श्री अवधेश अग्रवाल और ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा भी उपस्थित रहे । ईपीसीएच के अतिरिक्त कार्यकारी निदेशक श्री राजेश रावत ने बताया कि बैठक का उद्देश्य भारतीय निर्यात पर अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव और संभावित शमन रणनीतियों की चर्चा करना था।

वर्तमान स्थिति पर बोलते हुए, ईपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने कहा, "अमेरिकी टैरिफ वृद्धि ने भारतीय हस्तशिल्प निर्यातकों के लिए अभूतपूर्व चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं, जिससे न केवल व्यापार की मात्रा बल्कि लाखों कारीगरों की आजीविका भी खतरे में पड़ गई है। इस टैरिफ झटके के कारण निर्यात में गिरावट, ऑर्डर रद्द होने और निर्यातकों, खासकर छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों, जो हस्तशिल्प उद्योग की रीढ़ हैं, के लिए कार्यशील पूंजी का संकट पैदा हो गया है। इन चुनौतियों के बावजूद, हस्तशिल्प क्षेत्र 'राष्ट्र प्रथम' नीति के सिद्धांत के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध है।"

डॉ. खन्ना ने आगे कहा, "उत्तर प्रदेश, भारत का सबसे बड़ा हस्तशिल्प निर्यातक राज्य है, जो देश के निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान देता है, परिषद ने उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री को एक विज़न पेपर 2025-35 प्रस्तुत किया है। यह विज़न पेपर हस्तशिल्प निर्यात को दोगुना करने, मुरादाबाद, सहारनपुर, भदोही, वाराणसी आदि जैसे विश्व प्रसिद्ध शिल्प समूहों को मज़बूत करने और कारीगरों के कल्याण को बढ़ाने की रणनीतियाँ प्रस्तुत करता है। यह आगामी उत्तर प्रदेश निर्यात प्रोत्साहन नीति 2025-30 के अंतर्गत अवसरों पर भी प्रकाश डालता है और सतत विकास एवं प्रतिस्पर्धात्मकता के निर्माण हेतु नीतिगत हस्तक्षेपों की सिफ़ारिश करता है।"

ईपीसीएच के मुख्य संयोजक श्री अवधेश अग्रवाल ने कहा, "हमारे हस्तशिल्प निर्यातक भारी दबाव में हैं, लेकिन यह सामूहिक संकल्प का भी समय है। जहाँ सरकार हमारे निर्यातकों के लिए अनुकूल शर्तें सुनिश्चित करने हेतु अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखे हुए है, वहीं हमें यूरोपीय संघ, मध्य पूर्व, पूर्वी एशिया और लैटिन अमेरिका जैसे उभरते और उच्च-संभावना वाले क्षेत्रों में भी अपनी उपस्थिति बढ़ानी होगी। विविधीकरण से न केवल एकल बाजार पर हमारी निर्भरता कम होगी, बल्कि हमारे निर्यातकों के लिए विकास के नए अवसर भी खुलेंगे। उन्होंने आगे बताया कि मुरादाबाद के निर्यातकों

की चुनौतियों, जिनमें नगर निगम, गृह कर, प्रदूषण, जीएसटी, श्रम आदि से संबंधित मुद्दे शामिल हैं, पर भी माननीय मुख्यमंत्री के साथ विस्तार से चर्चा की गई।"

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने कहा कि "ईपीसीएच सरकार के साथ मिलकर तत्काल राजकोषीय और गैर-राजकोषीय हस्तक्षेप सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे उद्योग को वैश्विक व्यापार परिवर्तनों का खामियाजा न भुगतना पड़े। इसमें अमेरिका जाने वाले शिपमेंट के लिए लागत समानीकरण प्रोत्साहन, ब्याज समानीकरण योजना के तहत बढ़े हुए लाभ, आयकर अधिनियम की पूर्ववर्ती धारा 80एचएचसी के अनुरूप आयकर छूट, बढ़ी हुई दरों के साथ भारत से व्यापारिक निर्यात योजना (एमईआईएस) को फिर से लागू करना, हस्तशिल्प वस्तुओं के लिए बढ़ी हुई आरओडीटीईपी और शुल्क वापसी दरें और निर्यात संवर्धन मिशन योजना के तहत प्रोत्साहन योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाना शामिल है।"

प्रतिनिधिमंडल ने माननीय मुख्यमंत्री को 13-17 अक्टूबर 2025 को ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में आयोजित होने वाले आईएचजीएफ दिल्ली मेला ऑटम 2025 के आगामी 60वें संस्करण का उद्घाटन करने का निमंत्रण भी दिया।

बैठक के दौरान माननीय मंत्री ने उठाए गए मुद्दों को धैर्यपूर्वक सुना।

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद देश से हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने और देश के विभिन्न शिल्प समूहों में घरेलू, जीवनशैली, वस्त्र, फैशन आभूषण और सहायक उत्पादों के उत्पादन में लगे लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के प्रतिभाशाली हाथों के जादू की ब्रांड छवि बनाने के लिए एक नोडल संस्थान है। वर्ष 2024-25 के दौरान कुल हस्तशिल्प निर्यात 33,123 करोड़ रुपये (3,918 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा और वर्ष 2024-25 के दौरान अमेरिका को हस्तशिल्प का निर्यात 12,814.73 करोड़ रुपये (1,518.18 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा । 2024-25 के दौरान उत्तर प्रदेश से हस्तशिल्प का निर्यात 7122.49 करोड़ रुपये रहा ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने बताया।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री आर. के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच
+91-9810679868

EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Export Promotion Council for Handicrafts
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com I www.epch.in
CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

PRESS RELEASE

EPCH RAISES IMPACT OF U.S. RECIPROCAL TARIFFS ON HANDICRAFTS SECTOR IN A MEETING WITH SHRI YOGI ADITYANATH, HON'BLE CHIEF MINISTER OF UTTAR PRADESH

EPCH PRESENTED A VISION DOCUMENT FOR GROWTH OF EXPORTS OF HANDICRAFTS FROM UTTAR PRADESH

Delhi/NCR – 27th August'2025 – A High level delegation led by Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH met Shri Yogi Adityanath, Hon'ble Chief Minister Of Uttar Pradesh. The meeting also saw presence of Shri Avdesh Agarwal, Chief Convener, EPCH and Shri R. K. Verma, Executive Director, EPCH. The objective of meeting was to to discuss the impact of U.S. Reciprocal Tariffs on Indian exports and explore potential mitigation strategies informed Shri Rajesh Rawat, Addl. Executive Director, EPCH.

Speaking on the current situation, Dr. Neeraj Khanna, Chairman-EPCH, said "the U.S. tariff hike has created unprecedented challenges for Indian handicraft exporters, threatening not only trade volumes but also the livelihoods of millions of artisans. This tariff shock has already led to an export decline, order cancellations and working capital crises for exporters, especially small and medium-sized enterprises, who form the backbone of handicraft industry. Despite these challenges, the handicraft sector remains firmly committed to the principle of 'Nation First' policy".

Dr. Khanna further added, "Recognising Uttar Pradesh as India's largest handicraft exporting state, contributing significantly of the country's exports, Council has submitted a Vision Paper 2025–35 to the Hon'ble Chief Minister of Uttar Pradesh. The Vision Paper lays out strategies to double handicraft exports, strengthen globally renowned craft clusters such as Moradabad, Saharanpur, Bhadohi, Varanasi etc. and enhance artisans welfare. It also highlights opportunities under the forthcoming UP Export Promotion Policy 2025–30 and recommends policy interventions to build sustainable growth and competitiveness."

Shri Avdesh Agarwal, Chief Convener, EPCH shared that "Our handicraft exporters are under tremendous pressure, but this is also a time for collective resolve. While government continues its engaging with the US to secure favourable terms for our exporters, we must also expand our footprint in emerging and high-potential regions such as the European Union, the Middle East, East Asia and Latin America. Diversification will not only reduce our dependence on a single market but also open new growth opportunities for our exporters. The challenges of exporters of Moradabad, including issues related Municipal Corporation, House Tax, Pollution, GST, Labor etc. were also discussed in detail with the Hon'ble Chief Minister." he further added.

Shri R. K. Verma, Executive Director – EPCH said that "EPCH is working closely with the government to secure urgent fiscal and non-fiscal interventions to ensure our industry do not bear the brunt of global trade shifts. Interventions such as Cost Equalisation Incentive for U.S.-bound shipments, enhanced benefits under the Interest Equalization Scheme, Income Tax exemptions in line with the erstwhile Section 80HHC of the Income Tax Act, reintroduction of the Merchandise Exports from India Scheme

(MEIS) with enhanced rates, enhanced RoDTEP and Duty Drawback rates for handicrafts items and the fast-tracking of promotional schemes under the Export Promotion Mission Scheme."

The delegation also extended an invitation to the Hon'ble CM to inaugurate the upcoming 60th edition of IHGF Delhi Fair Autumn'2025 to be held from 13-17 October'25 at Greater Noida, U.P.

During the meeting the Hon'ble Minister gave a patient hearing to the issues raised.

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal agency for promotion of exports of handicrafts from the Country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of artisans and craftspersons engaged in production of home, lifestyle, textiles, fashion jewellery & accessories products in different craft clusters of the Country. The overall Handicrafts exports during the year 2024-25 was Rs. 33,123 Crores (US $ 3,918 Million) and exports of handicrafts to the USA during the year 2024-25 was Rs. 12,814.73 Crores (US $ 1,518.18 Million). The exports of handicrafts from Uttar Pradesh during 2024-25 was Rs. 7122.49 crores informed by Shri R. K. Verma, Executive Director, EPCH.

For more information please contact:
Mr. R. K. Verma, Executive Director, EPCH
+91-9810679868

Encl: Hindi, English version and photos

Photo 1 & 2: A High level delegation led by Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH met Shri Yogi Adityanath, Hon'ble Chief Minister Of Uttar Pradesh. The meeting also saw presence of Shri Avdesh Agarwal, Chief Convener, EPCH and Shri R. K. Verma, Executive Director, EPCH.